BIHAR FOUNDATION
BONDING • BRANDING • BUSINESS

बिहार सरकार
उद्योग विभाग

+91 0612 2547371
+91 85442 99526
https:// biharfoundation. bihar.govt.in

सम्प्रति बिहार

बिहार फाउन्डेशन की प्रस्तुति

बिहार के महत्वपूर्ण अखबारों में छपे सकारात्मक समाचारों का संकलन

श्रावण कृष्ण पक्ष प्रतिपदा गुरूवार विक्रम संवत् 2079 | 14 जुलाई 2022

JKDESIGN 8369994118

6TH FLOOR, INDIRA BHAWAN, RCS PATH, PATNA-800001. BIHAR, INDIA.

BIHAR FOUNDATION
BONDING • BRANDING • BUSINESS

7 अगस्त को स्थापना दिवस | अगले माह बिहार म्यूजियम में शुरू होंगे कई कार्यक्रम

बिहार म्यूजियम में दिखेगी नारी शक्ति की झलक, दीर्घा-ए-गैलरी में पुरावशेष

सिटी रिपोर्टर | पटना

बिहार म्यूजियम में बहुत जल्द कई तरह की गतिविधियां शुरू होने वाली हैं। संग्रहालय में फिलहाल स्थापना दिवस ,दीर्घा- ए गैलरी और पटना म्यूजियम से अंडर ग्राउंड से जोड़ने का काम शुरू होने वाला है। संग्रहालय के महानिदेशक बताते हैं कि अगले महीने संग्रहालय में कई तरह के कार्यक्रमों का आयोजन होने वाला है। संग्रहालय का स्थापना दिवस 7 अगस्त को है, जिसके लिए संग्रहालय ने तैयारी शुरू कर दी है। पहले प्रदेश के अलग-अलग जिलों से कलाकृतियां मंगवाई जानी थी, लेकिन अब उसकी जगह महिलाओं और उनसे जुड़ी आत्मनिर्भरता को दर्शाया जाएगा। बिहार संग्रहालय के महानिदेशक अंजनी कुमार सिंह बताते हैं कि पुराने पटना म्यूजियम से नए म्यूजियम को जोड़ने का काम जल्द शुरू हो जाएगा। इस योजना पर नगर विकास और दिल्ली मैट्रो के अधीन काम हो रहा है। ऐसा माना जा रहा है कि बिहार म्यूजियम के पार्किंग एरिया से पटना म्यूजियम के टिकट काउंटर के पीछे तक के रास्ते को जोड़ा जाएगा।

अंडर ग्राउंड टनल का काम भी जल्द होगा शुरू

स्थापना दिवस के लिए खास तैयारियां

बिहार म्यूजियम के स्थापना दिवस पर सात अगस्त से दो महीने के लिए प्रदर्शनी लगायी जाएगी। प्रदर्शनी में म्यूजियम के संग्रह कक्ष में रखी गयी विभिन्न देवियों की प्रतिमाओं के जरिये नारी शक्ति को प्रदर्शित किया जाएगा। प्रदर्शनी में स्कल्पचर, आर्ट वर्क, पेंटिंग और पुरावशेषों के जरिये महिलाओं के महत्व को प्रदर्शित किया जाना है। प्रदर्शनी में देवी गंगा, तारा, महिषासुर मर्दनी, सरस्वती, खादेर वाहिनी तारा, पार्वती, राज लक्ष्मी, उमा महेश्वरी आदी की प्रतिमाओं को प्रदर्शित किया जा सकता है। इस प्रदर्शनी के आधार पर बिहार म्यूजियम की ओर से एक अंतरराष्ट्रीय पुस्तक भी प्रकाशित की जाएगी। दो महीने के इस कार्यक्रम में स्कूली बच्चों के लिए कार्यशालाएं, संगोष्ठी, विभिन्न प्रतियोगिताएं एवं फिल्म शो का आयोजन किया जाएगा।

दीर्घा-ए-गैलरी से लोग बेहतर तरीके से समझ पाएंगे इतिहास

पिछले एक साल से दीर्घा-ए-गैलरी का निर्माण हो रहा है, जो अगले महीने तक दर्शकों के लिए खुल जाएगा। प्रभारी अपर निदेशक रणवीर सिंह राजपूत बताते हैं कि गैलरी का काम लगभग पूरा हो चुका है। इन्हें स्थापित करने का काम भी लगभग पूरा हो गया है। इस पूरी गैलरी में 1500 पुरावशेषों को लगाया गया है। पूरे म्यूजियम में करीब 3हजार पुरावशेष हैं। गैलरी का काम लगभग पूरा है, अगले महीने तक सभी चीजों को स्थापित करने के बाद लोग उस गैलरी का दौरा कर सकेंगे। इस गैलरी के माध्यम से लोगों को कई नई तरह की जानकारियां मिलेंगी, जो उन्हें इतिहास से जोड़ेगी।

सौजन्य से दैनिक भास्कर | पटना | 14.07.2022 | पृष्ठ सं० 09

सेहत | 31 जुलाई तक सीएचओ को आवंटित जिले में योगदान करने का निर्देश, विभिन्न चरणों में 1976 सीएचओ की हो चुकी है नियुक्ति

439 वेलनेस सेंटर को मिलेंगे सामुदायिक स्वास्थ्य अफसर

पटना, हिन्दुस्तान ब्यूरो। आयुष्मान भारत योजना के तहत ग्रामीण इलाकों में बेहतर इलाज और बीमारियों की पहचान के लिए हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर की चिकित्सकीय व्यवस्था को सुदृढ़ करने के प्रयास किए जा रहे हैं। राज्य सरकार के निर्देश पर राज्य स्वास्थ्य समिति ने 439 सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी (सीएचओ) की नियुक्ति कर जिला आवंटित कर दिया है। इनको 31 जुलाई तक योगदान करने का निर्देश दिया गया है। राज्य स्वास्थ्य समिति के अनुसार, राष्ट्रीय मानक के तहत बिहार में करीब आठ हजार हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर होना चाहिए। केंद्र ने बिहार में 2022 तक करीब पांच हजार हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर बना लेने का लक्ष्य रखा है। केंद्र के निर्देश के आलोक में राज्य सरकार सेंटर की संख्या बढ़ाने और संचालित सेंटरों की चिकित्सकीय व्यवस्था को सुदृढ़ करने में लगी हुई है। इसके तहत मार्च में 4050 सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी (सीएचओ) की नियुक्ति की प्रक्रिया शुरू की गई। बीएससी नर्सिंग, जीएनएम और पोस्ट बेसिक बीएससी नर्सिंग की डिग्री उत्तीर्ण अभ्यर्थियों से आवेदन मांगे गए। अब तक 439 समेत कुल 1976 सीएचओ हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर पर नियुक्त किए जा चुके हैं।

5000

हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर बनाने का लक्ष्य इस साल के अंत तक

सेंटर पर बारह तरह की बीमारियों के इलाज की व्यवस्था

सेंटर पर गर्भवती की देखभाल व प्रसव, नवजात व शिशु की देखभाल, बाल व किशोरी स्वास्थ्य सेवाओं के साथ टीकाकरण, परिवार नियोजन व गर्भ निरोधक सेवाएं तथा अन्य प्रजनन स्वास्थ्य सेवाएं, सामान्य संचारी रोगों का प्रबंधन तथा अन्य साधारण बीमारियों व कमजोरी का इलाज तथा राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत संचारी रोगों का प्रबंधन, गैर संचारी रोगों की पहचान, रोकथाम व प्रबंधन, मानसिक रोगों की पहचान व बुनियादी प्रबंधन, आंख, नाक, कान व गला संबंधी बीमारियों की जांच, मुंह संबंधी सामान्य बीमारियों की जांच, बुजुर्गों से संबंधी (रक्तचाप, मधुमेह व हृदय रोग) रोगों की पहचान व सेवाएं दी जाती हैं।

सौजन्य से हिन्दुस्तान | पटना | 14.07.2022 | पृष्ठ सं० 01

केंद्र सरकार की ओर से मिले वेंटिलेटर को अस्पतालों को भेजा गया

सुविधा बढ़ी...स्वास्थ्य समिति ने राज्य के अस्पतालों को उपलब्ध कराए 90 और वेंटिलेटर, हो गए 1091

पटना|राज्य स्वास्थ्य समिति की ओर से अस्पतालों को 90 वेंटिलेटर उपलब्ध कराए गए हैं। केंद्र सरकार की ओर से मिले इन वेंटिलेटर को अस्पतालों को भेजा गया है। भारत को ईवी 300 वेंटिलेटर की 90 यूनिट जापान सरकार द्वारा दी गई थी। इसके साथ ही राज्य में अब उपलब्ध वेंटिलेटरों की संख्या 1091 हो गई है। इससे पहले 1001 वेंटिलेटर अलग-अलग अस्पतालों में उपलब्ध थे। राज्य स्वास्थ्य समिति के कार्यपालक निदेशक संजय कुमार सिंह ने कहा है कि मेडिकल कॉलेज अस्पताल एवं जिला अस्पतालों में आईसीयू की क्षमता बढ़ाने एवं कोविड प्रबंधन के साथ-साथ अन्य बीमारियों में वेंटिलेटर के समुचित उपयोग के लिए वेंटिलेटर का आवंटन किया गया है।

संबंधित मेडिकल कॉलेज के अधीक्षक एवं जिलों के सिविल सर्जन बीएमएसआईसीएल के सहयोग से वेंटिलेटर इंस्टाल करेंगे। इंस्टॉलेशन प्रक्रिया पूरी होने के बाद इसकी सूचना भी राज्य स्वास्थ्य समिति को भेजनी होगी। समिति के कार्यपालक निदेशक की ओर से अस्पतालों को निर्देश दिया गया है कि किसी भी स्थिति में वेंटिलेटर बिना उपयोग पड़ा नहीं रहे। इन वेंटिलेटर का उपयोग मरीजों के हित में करें। जिन अस्पतालों को इन 90 वेंटिलेटर में से वेंटिलेटर उपलब्ध कराया गया है उनमें डीएमसीएच दरभंगा को 25, आईजीआईएमएस पटना को 16, एएनएमसीएच गया को 13, जीएमसी पूर्णिया को 10 तथा आईजीआईसी पटना को 3 वेंटिलेटर भेजे गए हैं। इसके अलावा बांका सिविल सर्जन के पास 3, लखीसराय को 3 तथा मुजफ्फरपुर, समस्तीपुर व सारण को 5-5 वेंटिलेटर उपलब्ध कराए गए हैं।

राज्य के मेडिकल कॉलेजों में अब वेंटिलेटर की संख्या

जेएलएनएमसीएच भागलपुर	36	एएनएमसीएच	50
डीएमसीएच दरभंगा	65	बीआईएमएस नालंदा	51
एसकेएमसीएच मुजफ्फरपुर	93	जेएनकेटीसीएच मधेपुरा	42
पीएमसीएच	117	जीएमसी बेतिया	69
एनएमसीएच	109	जीएमसी पूर्णिया	15
एम्स पटना	72	एलएनजेपी हॉस्पिटल पटना	10
आईजीआईएमएस	123	आईजीआईसी	10

सौजन्य से दैनिक भास्कर | पटना | 14.07.2022 | पृष्ठ सं० 02

'State to achieve net zero carbon emission by 2040'

Prerna Sharma

Patna: Bihar government is actively pursuing the target of net zero carbon level — a balance between emitting carbon and absorbing carbon from the atmosphere — by the year 2040. Significant progress has been made so far in this direction through field visits, data collection and assessment, the Bihar State Pollution Control Board (BSPCB) chairman Ashok Kumar Ghosh said.

A final report comprising policy-level recommendations for achieving the desired results will be submitted to the state government by March next year.

The BSPCB chairman made such claims on Wednesday on the sidelines of a mid-term review of the steps taken for formulating the policy-level recommendation for carbon neutrality in the state. The BSPCB had entered into a MoU with the United Nations Environment Programme-India in February, 2021 for climate resilience and low carbon development strategy formulation.

Later, several other agencies working in the environment conservation sector, including Shakti Foundation, WRI-India and CEEW were also associated with the project as partner organisations.

A mid-term review of the progress made in the project by all the stakeholders was done here

TOI

Participants at a workshop in Patna

on Wednesday through a comprehensive stakeholders' consultation meet on the topic 'Climate Resilient and Low Carbon Development Pathways'.

Officials from different departments of the state government, including energy, disaster management, industries, agriculture, water resources, transport, health and buildings construction among others attended the consultation meet.

Speaking on the occasion, principal secretary (environment, forests and climate change) Arvind Kumar Chaudhary said this is a visionary exercise being carried out by the Bihar government which requires inter-sectoral actions and coordination among the multiple departments.

"We have organised this meet with the vision to bring all the stakeholders' department under the same roof to get their strategic guidance and inputs on the analysis so far conducted by the partner organisations," the BSPCB chairman said.

BSPCB member secretary S Chandrashekhar said, "We will be working on a strict timeline to prepare the strategy for Bihar government on time to mitigate and adapt the climate change."

Principal chief conservator of forests (climate change and wetland) N Jawahar Babu emphasised on the need for the convergence among policies to mitigate and adapt the impacts of climate change.

"Bihar government is pioneering the work through initiatives like climate resilient agriculture and there is a vision at the highest level to build climate resilience for the people of the state," director (horticulture) Nand Kishor said.

सौजन्य से टाइम्स ऑफ इंडिया | पटना | 14.07.2022 | पृष्ठ सं० 04

गंगा पथ के किनारे बनेगा वाटर एडवेंचर्स स्पोर्ट्स सेंटर

सुविधा

संवाददाता ▷ पटना

राजधानी में जेपी गंगा पथ एक नया पर्यटन स्पॉट बन चुका है. सरकार इसे और भी खूबसूरत बनाना चाहती है. गंगा नदी और गंगा पथ के बीच खाली जगहों को विकसित कर सुंदर बनाया जायेगा. पर्यटन विभाग ने इसका खांका तैयार किया है. जेपी गंगा पथ के मुहाने पर पटना का पहला वाटर एडवेंचर्स स्पोर्ट्स सेंटर बनेगा. सरकार के निर्देश पर पर्यटन मंत्री और विभाग के अधिकारी इन जगहों का जल्द निरीक्षण करेंगे. गंगा नदी तट पर लोग सूर्यास्त का आनंद ले पायेंगे. जल्द ही यहां वाटर एडवेंचर्स स्पोर्ट्स सेंटर के रूप में विकसित किया जायेगा. सेंटर में लोगों को मोटरबोट, टायराइड, जेट स्की स्कूटर आदि वाटर स्पोटर्स एक्टविटी करने को मिलेगी. भविष्य में पैरासेलिंग बोट की सुविधा का भी लोग लुत्फ उठा सकेंगे.

जुट रही है भीड़ : जिजेपी गंगा पथ शाम में शहरवासियों के लिए यह एक नया स्पॉट बन गया है, जहां बच्चों के साथ लोग समय बिताने पहुंच रहे हैं. भीड़ को देखते हुए पर्यटन विभाग ने गंगा पथ के किनारे, रास्ते के बीच व सड़क के जुड़ाव की जगहों को विकसित करने का निर्णय लिया है, ताकि लोग वहां और सुखद आनंद ले सकें.

किनारे पर बैठने की भी होगी जगह

विभाग ने गंगा पथ के किनारे पर लोगों के लिए बैठने की जगह भी बनाने का निर्णय लिया है. हालांकि, अब तक इसके लिए स्थल का चयन नहीं हो पाया है. जगह चयन करने के लिए जिला प्रशासन को दिशा-निर्देश दिया जायेगा.

साइड में लगेंगे सुंदर फूलों के पौधे

यहां जगह-जगह पर सुंदर पौधे व फूल के पौधे लगाये जायेंगे. इसको लेकर वन पर्यावरण विभाग की सहायता ली जायेगी, ताकि उधर से आने-जाने वालों को एक सुंदर दृश्य दिखायी दे.

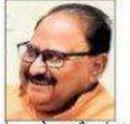

गंगा पथ और जेपी सेतु के किनारे या शुरुआत में आम लोगों की काफी भीड़ उमड़ रही है. इस कारण से उसे विकसित करने का प्रस्ताव तैयार हो रहा है. गंगा पथ के किनारे वाटर एडवेंचर्स स्पोर्ट्स सेंटर के रूप में विकसित किया जायेगा, ताकि पटना आने वाले हर पर्यटक वहां जा सकें.

-नारायण प्रसाद, मंत्री, पर्यटन विभाग

BIHAR FOUNDATION
BONDING • BRANDING • BUSINESS

बिहार कोविड अपडेट

⇒ कुल सक्रिय मामलों की संख्या	2510
⇒ पिछले 24 घंटे के दौरान नए पॉज़िटिव मामलों की संख्या	565
⇒ पिछले 24 घंटे के दौरान स्वस्थ हुए मरीजों की संख्या	398
⇒ कुल वैक्सीनेशन	13,87,51,759
⇒ कम से कम एक डोस	7,16,22,526
⇒ पूर्ण वैक्सीनेटेड	6,26,17,966

बिहार फाउन्डेशन नेटवर्क

विदेश अवस्थित चैप्टर

- कतर
- दक्षिण कोरिया
- जापान
- हॉग कॉग
- यू.ए.ई.
- सिंगापुर
- बहरीन
- न्यूजीलैंड
- कनाडा
- यू.एस.ए.
- ऑस्ट्रेलिया
- सऊदी अरब

देश अवस्थित चैप्टर

- मुम्बई
- हैदराबाद
- पुणे
- चेन्नई
- नागपुर
- गुजरात
- कोलकाता
- वाराणसी
- गोवा

पाठकों से अपील

बिहार फाउन्डेशन के जुड़ने के लिए

बिहार फाउंडेशन उद्योग विभाग के अन्तर्गत राज्य सरकार की एक निबंधित सोसाईटी है जिसका मुख्य उद्देश्य राज्य के बाहर बसे देश-विदेश अवस्थित बिहारी समुदायों को उनके स्वयं के बीच तथा गृह राज्य के साथ जोड़ने का है। वर्तमान मे बिहार फाउंडेशन के कुल 21 चैप्टर्स हैं. बिहार फाउंडेशन से जुड़ने के लिए नीचे दिए वेबसाइट पर जाकर Non Resident Bihari Registration पर क्लिक करें और उपलब्ध फार्म को भरकर जमा करें -

https://biharfoundation.bihar.gov.in.